प्रशासन मजबूर, माफियाओं के हौसले बुलंद

खास बातें

- सत्ता के दबाव में कार्रवाई रुकने के आरोप
- राशन से लेकर मिलावटी सामग्री तक शिकायतों का अंबार

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 6 सितम्बर, क्या स्थानीय प्रशासन और पुलिस पर राजनीतिक दबाव इतना बढ़ गया है कि कार्रवाई करने के बाद भी अधिकारियों को पीछे हटना पड़ता है? शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से सामने आ रही शिकायतें कम से कम यही सवाल खड़ा कर रही हैं.

स्थानीय स्तर पर लोगों का आरोप है कि जब प्रशासन किसी बदमाश या प्रभावशाली व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करता है तो सत्ता से जुड़े लोगों के फोन अधिकारियों के पास पहुंच जाते हैं. %यह हमारा आदमी है, इसे तुरंत छोड़ो% जैसे कथित दबाव के बाद कार्रवाई कमजोर पड़ने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं. यदि यह सच है तो सवाल यह है कि कानून के सामने राजनीतिक संरक्षण क्यों भारी पड़ रहा है?

खुलेआम बिक रही मिलावटी सामग्री

नगर में नकली और मिलावटी खाद्य सामग्री की बिक्री को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं. यदि बाजार में मिलावटी सामग्री खुलेआम बिक रही है तो खाद्य एवं औषधि प्रशासन की नियमित जांच व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है.गरीब को राशन चाहिए, बच्चे को पौष्टिक भोजन चाहिए, कैदी को गुणवत्तापूर्ण भोजन चाहिए और आम नागरिक को शुद्ध खाद्य सामग्री. इन सभी मामलों में निगरानी और कार्रवाई की जिम्मेदारी प्रशासन की है.

पुलिस कार्रवाई पर भी दबाव का आरोप

शिकायतों के अनुसार, पुलिस द्वारा किसी मामले में कार्रवाई किए जाने के बाद भी कथित राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण अधिकारियों पर दबाव बनाया जाता है. इससे पुलिस के सामने भी असमंजस की स्थिति पैदा होती है. सवाल यह है कि यदि कानून लागू करने वाली एजेंसी ही दबाव में काम करेगी तो आम नागरिक न्याय के लिए किसके पास जाएगा?

राशन दुकानों की व्यवस्था पर सवाल

शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को लेकर भी ग्रामीण क्षेत्रों से लगातार शिकायतें मिलने की बात सामने आ रही है. गरीब उपभोक्ताओं का आरोप है कि कई बार उन्हें निर्धारित मात्रा में राशन नहीं मिलता और विरोध करने पर कथित रूप से यह कहकर टाल दिया जाता है कि जहां शिकायत करना है कर दो.कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्यान्न की कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं. लोगों का कहना है कि वर्षों से इस तरह की शिकायतें होने के बावजूद संबंधित अधिकारी नियमित जांच के लिए नहीं पहुंचते. शिकायत करने वाले उपभोक्ताओं की जानकारी दुकानदारों तक पहुंच जाने की बात भी कही जा रही है.सबसे बड़ा सवाल दुकान संचालन को लेकर भी है. कई जगह दुकान किसी व्यक्ति के नाम पर है, जबकि उसे कोई दूसरा व्यक्ति संचालित कर रहा है. ऐसी स्थिति में यदि विवाद, गाली-गलौज या मारपीट की घटनाएं होती हैं तो जिम्मेदारी किसकी तय होगी?

स्कूलों के भोजन से जेल के भोजन तक सवाल

सरकारी विद्यालयों में बच्चों को मिलने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता को लेकर भी समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं. इसी तरह उपजेल में बंद कैदियों द्वारा भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत किए जाने की बात भी सामने आई है. यदि इन शिकायतों में सच्चाई है तो संबंधित विभागों को नियमित निरीक्षण और गुणवत्ता की जांच क्यों नहीं करनी चाहिए?

बस की चपेट में आने से महिला की मौत

- पठारी-दुधावरी मार्ग पर मवेशियों को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा
- पुलिस ने बस और चालक को लिया हिरासत में

नवभारत न्यूज

पठारी 6 सितम्बर, पठारी-दुधावरी मार्ग पर रविवार को दर्दनाक सड़क हादसे में बस की चपेट में आने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई. हादसा उस समय हुआ, जब मवेशियों को बचाने के प्रयास में बस अनियंत्रित हो गई और महिला उसकी चपेट में आ गई.

मृतका की पहचान रद्दो बाई, निवासी सागर जिले के रूप में हुई है. बताया गया है कि वह रक्षाबंधन पर अपने मायके दुधावरी भाई को राखी बांधने आई थी. हादसे के बाद वह इसी बस से वापस अपने घर जाने वाली थी, लेकिन बस में बैठने से पहले ही दुर्घटना का शिकार हो गई.घटना की सूचना मिलते ही पठारी पुलिस मौके पर पहुंची. हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई. पुलिस ने समझाइश देकर स्थिति को नियंत्रित किया.थाना प्रभारी ऋतुराज बिंझाड़े ने बताया कि पुलिस ने बस और चालक को हिरासत में ले लिया है. महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए पठारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है. पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है.

नगरपालिका उप निर्वाचन का कार्यक्रम जारी

नवभारत न्यूज

विदिशा. नगरीय निकाय उप निर्वाचन के लिए कार्यक्रम जारी हो गया है. नामांकन प्रक्रिया 8 सितंबर से शुरू होकर 15 सितंबर तक चलेगी. नामांकन पत्रों की संवीक्षा 16 सितंबर को तथा नाम वापसी 18 सितंबर को होगी. आवश्यक होने पर 29 सितंबर को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा.

बिलगोंना-धामोनीपुरा मार्ग बदहाल, ग्रामीण परेशान

- जगह-जगह कीचड़ से बढ़ी परेशानी
- स्कूली बच्चों को भी करना पड़ रहा मुश्किलों का सामना

नवभारत न्यूज

पठारी. बिलगोंना से ग्राम पंचायत धामोनीपुरा की ओर जाने वाले मार्ग की हालत इन दिनों बेहद खराब है. सड़क पर जगह-जगह कीचड़ और अव्यवस्था के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बारिश के कारण मार्ग की स्थिति और भी बदतर हो गई है.

इसी मार्ग से बिलगोंना से खुरई आने-जाने वाले लोगों का भी आवागमन होता है. इसके अलावा सोसायटी के नाम से बसी नई हरिजन बस्ती के रहवासियों के लिए भी यह सड़क परेशानी का सबब बनी हुई है. बस्ती के बच्चों को पढ़ाई के लिए बिलगोंना स्थित स्कूल आना पड़ता है, लेकिन सड़क पर कीचड़ और खराब रास्ते के कारण उन्हें रोजाना मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.ग्रामीणों महेंद्र कुर्मी, जागेश्वर कुर्मी, राम सिंह अहिरवार और मिट्ठू अहिरवार सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से मार्ग की स्थिति में सुधार कर सड़क को जल्द दुरुस्त कराने की मांग की है. ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मरम्मत होने से न केवल आवागमन सुचारु होगा, बल्कि स्कूली बच्चों को भी राहत मिलेगी.

नटेरन में हर्षोल्लास से मनाया शिक्षक दिवस

नवभारत न्यूज

नटेरन/शमशाबाद. भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विकासखंड नटेरन के सभी विद्यालयों में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय ढंग से मनाया गया. विद्यार्थियों ने गुरुजनों का चरण वंदन कर उनका सम्मान किया और जीवनभर उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया.इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को राष्ट्र एवं समाज हित में समर्पित होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी. बीआरसी ईश्वर प्रसाद शर्मा ने शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक बनना केवल आजीविका नहीं, बल्कि कई भविष्य गढ़ने की महान जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि शिक्षक की वास्तविक सफलता तब है, जब उसके विद्यार्थी उससे आगे बढ़कर राष्ट्र का नाम रोशन करें.विद्यालयों में सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित हुईं. विद्यार्थियों ने डॉ. राधाकृष्णन के रेखाचित्र बनाए और आकर्षक रंगोलियां सजाईं.

श्रीराम चन्द्र आश्रम में धूमधाम से मनी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. नौलखी रोड स्थित श्रीराम चन्द्र आश्रम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत हार्टफुलनेस ध्यान सत्र से हुई. इसके बाद अभ्यासी भाई-बहनों द्वारा भजन-कीर्तन प्रस्तुत किया गया. श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित भजनों से पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय हो उठा.कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य रहा. नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया. बच्चों की प्रस्तुतियों को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा.आश्रम प्रभारी स्वदेश शर्मा ने बताया कि हार्टफुलनेस संस्था द्वारा प्रतिवर्ष जन्माष्टमी का पर्व इसी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है. इसका उद्देश्य बच्चों में संस्कार, आध्यात्मिकता और भारतीय संस्कृति के प्रति जुड़ाव विकसित करना है. कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया.

करुणामय शिक्षा के प्रहरी शिक्षकों का सम्मान

बाल मित्र ग्रामों में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को डायरी-पेन भेंट कर जताया आभार

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. शिक्षक दिवस के अवसर पर सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पैशन द्वारा बाल मित्र ग्राम परियोजना के अंतर्गत स्यावदा, साहबा, चौरावर, ककरावदा, पड़रिया एवं भिलाय में शिक्षकों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए. कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास, शिक्षा के अधिकार और करुणामय समुदाय निर्माण में शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करना रहा.

कार्यक्रम के दौरान विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मान स्वरूप डायरी एवं पेन भेंट किए गए. इस अवसर पर कहा गया कि बाल मित्र ग्राम के निर्माण में शिक्षक केवल बच्चों को शिक्षा देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा, नियमित विद्यालय उपस्थिति, शिक्षा से जुड़ाव, नेतृत्व विकास और बेहतर भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पैशन की बाल मित्र ग्राम परियोजना में शिक्षक बच्चों और समुदाय के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं. वे बच्चों की समस्याओं को समझने, उन्हें उचित मार्गदर्शन देने तथा बाल अधिकारों के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील वातावरण तैयार करने में सहयोग प्रदान करते हैं.शिक्षकों ने भी बाल मित्र ग्राम की अवधारणा को मजबूत करने तथा बच्चों के लिए सुरक्षित, समानतापूर्ण एवं करुणामय वातावरण निर्माण के प्रयासों में निरंतर सहयोग देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की. बच्चों एवं समुदाय के सदस्यों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया.कार्यक्रमों में विद्यालयों के शिक्षक, बाल मित्र ग्राम परियोजना से जुड़े संगठन के प्रतिनिधि, बच्चे एवं समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे. वक्ताओं ने कहा कि करुणामय और बाल-मित्र समाज की मजबूत नींव में शिक्षकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है. शिक्षक बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार, संवेदनशीलता और भविष्य को भी आकार देते हैं.

लव-कुश जयंती की तैयारियों को लेकर कुशवाह महासभा की बैठक

नवभारत न्यूज

पठारी. खुरई रोड स्थित एक निजी गार्डन में तहसील पठारी कुशवाह महासभा की बैठक आयोजित की गई. बैठक में आगामी 13 सितंबर को कुरवाई में आयोजित होने वाले लव-कुश जन्मोत्सव की तैयारियों एवं आयोजन की रूपरेखा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई.

बैठक के मुख्य अतिथि कुशवाह महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त नारायण सिंह कुशवाह रहे. इस दौरान विदिशा जिला अध्यक्ष मनोज कुशवाह, महामंत्री कैलाश कुशवाह, विदिशा तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाह, उदयपुर अध्यक्ष गिरीश कुशवाह एवं गंजबासौदा युवा अध्यक्ष ऋषि कुशवाह मौजूद रहे.बैठक में कुशवाह महासभा पठारी के संरक्षक बालमुकुंद कुशवाह, तहसील अध्यक्ष राजेश कुशवाह सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए. पदाधिकारियों ने लव-कुश जन्मोत्सव को भव्य एवं सफल बनाने के लिए कार्यक्रम की तैयारियों, समाज की सहभागिता और विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया.बैठक के दौरान सभी पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने आयोजन में सक्रिय सहभागिता करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहयोग का आह्वान किया.

शिक्षक दिवस पर काली पट्टी बांधकर शिक्षकों ने जताया विरोध

नवभारत न्यूज

आनंदपुर. शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर शनिवार को जन शिक्षा केंद्र लटेरी में शिक्षकों ने हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया. इस दौरान शिक्षकों ने एक-दूसरे को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं और शिक्षा के क्षेत्र में अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों को लेकर विचार साझा किए.

कार्यक्रम के दौरान सरकार द्वारा प्रस्तावित ञश्ञ (शिक्षक पात्रता परीक्षा) को लेकर शिक्षकों का विरोध भी सामने आया. शिक्षकों ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर ञश्ञ परीक्षा के विरोध में अपना आक्रोश दर्ज कराया.शिक्षकों का कहना है कि वे लंबे समय से शिक्षा विभाग में सेवाएं देते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं और विभागीय कार्यों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रहे हैं. ऐसे में कार्यरत शिक्षकों के लिए ञश्ञ परीक्षा का प्रावधान उनके हित में नहीं है. शिक्षकों ने सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार कर परीक्षा का प्रावधान वापस लेने की मांग की.शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि ञश्ञ परीक्षा कराने का निर्णय वापस नहीं लिया गया और परीक्षा आयोजित की गई तो सभी शिक्षक एकजुट होकर इसका विरोध करेंगे. इसके साथ ही सामूहिक रूप से विभागीय कार्यों के बहिष्कार का निर्णय लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा.शिक्षकों ने कहा कि मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी.शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में जहां शिक्षक उत्साह और उल्लास के साथ दिवस मना रहे थे, वहीं उनके हाथों पर बंधी काली पट्टी ञश्ञ परीक्षा को लेकर उनकी नाराजगी और विरोध का संदेश देती नजर आई.

मौन सूचना
विकास पचौरी जी मौन साधना कर रहे हैं. इसलिए निःशुल्क शव वाहन हेतु कृपया फोन न करें बल्कि शेरपुरा विदिशा स्थित विकास पचौरी रेडियो स्टेशन आकर जानकारी देने की कृपा करें.
ब्लड की जरूरत होने पर www.vikaspachori.in वेबसाइट पर रक्तदाताओं की लिस्ट देखने का कष्ट करें.
मोबाइल के प्ले स्टोर पर टाइप कीजिए VIKAS PACHORI RADIO
विकास पचौरी रेडियो 84 35 250 250
और फिर 24 घंटे आनंद लीजिए

त्यौहार सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय एकता के वाहक-डॉ. इंद्रेश कुमार

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की राष्ट्रीय ऑनलाइन बैठक रविवार को डिजिटल माध्यम से संपन्न हुई. बैठक में देशभर से राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तर के सैकड़ों पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की. बैठक का मार्गदर्शन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक डॉ. इंद्रेश कुमार ने किया.

बैठक की जानकारी देते हुए मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने बताया कि डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत की संस्कृति उत्सवधर्मी है और त्योहार केवल परंपराओं का निर्वहन नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों के वाहक हैं. उन्होंने कार्यकर्ताओं से सभी पर्वों को सामाजिक चेतना, पर्यावरण संरक्षण, नारी सम्मान और राष्ट्रीय एकता के माध्यम के रूप में मनाने का आह्वान किया.डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन को व्यापक सामाजिक पर्व के रूप में मनाया जाना चाहिए. यह केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित न रहकर महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के संकल्प का पर्व बने. उन्होंने महिला-पुरुष द्वारा एक-दूसरे को राखी बांधने की पहल का सुझाव दिया, जिससे समानता और परस्पर सम्मान की भावना मजबूत हो.उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को भी रक्षाबंधन से जोड़ने का आह्वान करते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता से एक पेड़ को राखी बांधकर उसकी रक्षा का संकल्प लेने की बात कही. उन्होंने शामपरसी गांव में हिंदू और मुस्लिम गुज्जर समुदाय द्वारा मिलकर रक्षाबंधन मनाने का उदाहरण भी दिया.ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर पर उन्होंने मोहब्बत, सेवा और इंसानियत का संदेश घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया.

शिक्षक दिवस पर कांग्रेस कमेटी ने शिक्षकों का किया सम्मान

नवभारत न्यूज

ग्यारसपुर. शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्यारसपुर द्वारा खंदा स्कूल पहुंचकर शिक्षकों का सम्मान किया गया. कार्यक्रम में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई.इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने विद्यालय के शिक्षकों को शॉल, श्रीफल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया तथा शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं. साथ ही विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप कॉपियां एवं मेलोडी टॉफियां वितरित की गईं.कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अरविंद सिंह राजपूत ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों का योगदान सदैव महत्वपूर्ण रहेगा.इस अवसर पर पूर्व सरपंच लीलाधर कुशवाहा, जनपद सदस्य अनीश खान मंसूरी, मंडलम अध्यक्ष हुकुम सिंह कुशवाहा सहित कांग्रेस कार्यकर्ता एवं विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे.

शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट कार्य के लिए सहायक शिक्षक कैलाश बाबू शर्मा सम्मानित

नवभारत न्यूज

आनंदपुर. शिक्षक दिवस के अवसर पर जनपद शिक्षा केंद्र लटेरी में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया. समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं जन शिक्षकों का सम्मान कर उनके योगदान की सराहना की गई.

इस दौरान शिक्षा के प्रति समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए सहायक शिक्षक कैलाश बाबू शर्मा को ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया. सम्मान प्राप्त करते समय कैलाश बाबू शर्मा भावुक हो गए. उन्होंने कहा कि शिक्षक के रूप में किए गए कार्यों के लिए मिला यह सम्मान उनके लिए गौरव का क्षण है.उन्होंने बीआरसी एवं जन शिक्षक ब्रजमोहन शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों के कार्यों को प्रोत्साहन और सम्मान मिलने से उनका उत्साह बढ़ता है. उन्होंने कहा कि वे आगे भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कार्य करते रहेंगे.कार्यक्रम में बीएसी ऋषि दुबे ने कहा कि शिक्षक समाज निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी हैं. शिक्षक का दायित्व केवल बच्चों को शिक्षा देना नहीं, बल्कि उनमें संस्कार, अनुशासन और जीवन में आगे बढ़ने के लिए उचित मार्गदर्शन देना भी है. उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान अन्य शिक्षकों को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है.उन्होंने सम्मानित सहायक शिक्षक कैलाश बाबू शर्मा को शुभकामनाएं दीं.

आयोजन — शिक्षक दिवस समारोह में शिक्षकों ने साझा किए अनुभव, प्रस्तुत किए गीत और कविताएं

सैण्ट एसआरएस पब्लिक स्कूल प्रबंधन ने किया शिक्षकों का सम्मान

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के अवसर पर नगर के सैण्ट एस.आर.एस. पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल एवं कौटिल्य गुरुकुलम में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. विद्यालय प्रबंधन ने सभी शिक्षकों का श्रीफल, स्मृति-चिन्ह भेंट कर तथा रोली-चंदन लगाकर सम्मान किया.कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के डायरेक्टर के.एस. यादव, डायरेक्टर श्रीमती सुधा यादव एवं विद्यालय के व्याख्याता डॉ. विजय कुमार जैन ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया. विद्यालय की संगीत टीम ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया.संस्था के डायरेक्टर के.एस. यादव ने शिक्षक शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को शिखर तक पहुंचाने, क्षमा करने, कर्मशील बनाने और उनकी कमजोरियों को दूर करने का कार्य करता है. उन्होंने कहा कि आदर्श शिक्षक का स्वभाव नारियल की तरह होता है, जो बाहर से कठोर लेकिन भीतर से सरस और मृदुल होता है.

हिंदी शिक्षिका श्रीमती रंजू राठौर ने अपनी स्वरचित कविता %जब खुशी ने दस्तक दी% का सस्वर पाठ किया. व्याख्याता डॉ. विजय कुमार जैन ने कहा कि जीवन में क्या करना चाहिए, यह रामायण से और क्या नहीं करना चाहिए, यह महाभारत से सीखा जा सकता है. उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र का उल्लेख करते हुए शिक्षकों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया.युवा शिक्षक अजय अद्वैत ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर आधारित स्वरचित मनहरण छंदों तथा सब धोखा है, अब माया है कविता का पाठ किया. वहीं प्राथमिक विभाग की आंचल मैम ने हम शिक्षक हैं, शिक्षा की तस्वीर बदल देंगे गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया.

डायरेक्टर श्रीमती सुधा यादव ने शिक्षकों से अपने कार्य को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रथम गुरु माता होती हैं, जबकि उनके अपने प्रथम गुरु उनके पिता बाबूजी रहे हैं, जिनकी सीख आज भी उनकी सबसे बड़ी धरोहर है. उन्होंने कहा कि एक शिक्षक प्रतिदिन अनेक बच्चों से मिलता है और यदि वह उनमें अच्छे संस्कार विकसित कर सके तो उसका पुण्य समाज और राष्ट्र को समृद्ध करता है.पूर्व शिक्षिका श्रीमती रत्ना देशपांडे ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीवन में मिलने वाला प्रत्येक व्यक्ति हमें कुछ न कुछ सिखाता है, इसलिए जीवनभर सीखने की जिज्ञासा बनाए रखनी चाहिए.कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य उमेश चंद्र यादव ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक शिक्षक को अपनी गरिमा और नैतिक कर्तव्यों का पालन करते हुए निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए. वरिष्ठ शिक्षक के.पी. सिंह चौहान ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की.